नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज राजपाल व अन्य बनाम रामसहाय व अन्य अपील संख्या 338/2018 जीसीएमएस नम्बर 2018/00185
31.07.2024	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता अपीलांट द्वारा प्रार्थना पत्र बाबत अपील विड्रो करने प्रस्तुत करने पर बहस सुनी गई। वकील अपीलार्थी ने प्रार्थना पत्र विड्रो करने के तथ्य को दोहराते हुए कथन किया कि उपरोक्त उनवानी अपील में लोक अदालत की भावना से पक्षकारों के मध्य राजीनामा हो गया है और राजीनामा अनुसार अपीलार्थीगण इस अपील में अग्रिम कोई कार्यवाही नहीं करना चाहते हैं। इसलिये उपरोक्त अपील में शीघ्र सुनवाई की जाकर विड्रो किया जाना आवश्यक है। अतः आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि आवेदन स्वीकार फरमाया जाकर उपरोक्त अपील को विड्रो किये जाने के आदेश पारित फरमाये जावे। हमने अधिवक्ता अपीलान्ट की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया जिससे जाहिर होता है कि पक्षकारान के मध्य राजीनामा हो जाने से प्रार्थीगण स्वंय ही अपनी अपील आगे नहीं चलाना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में अब इस अपील को आगे चलाये जाने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। अतः अपीलार्थीगण का प्रा. पत्र विड्रो स्वीकार किया जाता है तथा अपीलार्थीगण स्वंय अपील विड्रो किये जाने के कारण अपील अपीलार्थी खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। इस न्यायालय की पत्रावली फैसल शुमार होकर पूर्ति लेख भण्डार हो। (डॉ. आरूषि मलिक) संभागीय आयुक्त जयपुर

संभागीय आयुक्त
जयपुर